

M.A. S.Y. (Hindi) (CBCS Pattern) Semester-IV  
**MAHNCBCS401 - Paper-I - Prachin Evam Madhyakalin Kavya**

P. Pages : 4

Time : Three Hours



GUG/W/24/10516

Max. Marks : 80

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से **किन्हीं तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। 30

- 1) अपने को श्रेष्ठ समझना  
यह दम्भ नहीं तो क्या है?  
जिसका जीवन है सात्विक  
वह आर्य नहीं तो क्या है?  
क्या धर्म-तत्त्व से ऊँची  
है वर्णाश्रम मर्यादा?  
तब व्यर्थ तपस्या पूजन  
यह गंगा भी है शूद्रा।
- 2) चढ़ा आसाढ़ गगन घन गाजा। साजा विरह दुंद दल बाजा॥  
धूम, धाम, घौरे घन धाए। सेत धजा बग पाँति देखाए॥  
खडक बीजु चमकै चहुँ ओरा। बुंद बान बरसहिं घन घोरा॥  
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत। उबारु मदन हौं घेरी॥  
दादुर मोर कोकिला पीऊ। गिरै बीजु, घट रहै न जीऊ॥  
पुष्य नखत सिर उपर आवा। हौं बितु नाह, मदिर को छावा॥  
अद्रा लागि लाग भुई लेई। माहि बिनु पिऊ को आदर देई?  
जिन्ह घर कंता ते सुखी, तिन्ह गारों औ गर्व।  
कंत पियारा बाहिरै हम सुख भूला सर्व॥
- 3) सरस सुयश शशि उदित होहि दिनरैनि प्रकाशित।  
भारतण्ड उदण्डतेज ब्रह्मण्ड विलासित॥  
पंचदेव परपूरक्रिया ददगकोर निहारै॥  
सरदारस्वच्छ अतलच्छ ग्रह अच्छ अच्छ क्रीडा करे।  
पुत्रन समेत ईश्वर नृपति खो शिश विप्र आशिष धरो॥
- 4) एकै साथै सब सधै, सब साधे सद जाय।  
रहिमन मूलहिं सांचिबो, फूलै फलै अघाय॥  
उरग, तुरंग, नारी, नृपति, नीच जाति, हथियार।  
रहिमन इन्हे संभारिए, पलटन लगै न वार॥  
एक उदर दो चोंच है, पंछी एक कूरंड।  
कहि रहिम कैसे जिए, जुदै-जुदै दो पिंड॥

- 5) कहा मानसो चाहसो पाई। पारस रुप इहाँ लगी आई॥  
 भा निरमल तिन्ह पायँन्ह परसै। पावा रुप रुप के दरसे॥  
 मलय समीर बास तन आई। भा सीतल गै तपति बुझाई॥  
 न जनों कौन पौन लेइ आवा। पुन्य दसा में पापगँवावा॥  
 ततखन हार बेगि उतिराना। पावा सखिन्हचंद बिहँसाना॥  
 बिगसा कुमुद देखि ससि रेखा। मैं तहें आप जहाँ जोड़ देखा॥  
 पावा रुप रुप जस चहा। ससि मुख जनु दरपन होइ रहा॥  
 नयन जो देखा कवँल भा, निरमल नीर सरीर।  
 हँसत जो देखा हंस भा, दसन जोति नग हीर
- 6) नवहू रस के भाव बहु तिनके भिन्न विचार।  
 सबको केशवदास हरि नानक है श्रृंगार॥  
 प्रथम सिंगार सुहास्य-रस करुना रुद्र सुबीर।  
 भय बीभत्स बखानियें अद्भुत शांत सुधीर॥

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए।

10

- 1) 'पद्मावत' में मलिक मोहम्मद जायसी ने इतिहास और कल्पना का मणिकांचन संयोग प्रस्तुत किया है। इस कथन का विस्तृत विश्लेषण कीजिए।

**अथवा**

- 2) कवि केशव की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

20

- 1) अमीर खुसरो की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।
- 2) रैदास का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।
- 3) पद्मावत में जायसी की प्रेम भावना पर प्रकाश डालिए।
- 4) 'केशव कवि एवं एक विचारक भी थे' इस कथन को सिद्ध कीजिए।
- 5) ज्ञानेश्वर का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।
- 6) चंदबरदाई का परिचय लिखकर साहित्यिक कृतियों का उल्लेख कीजिए।
- 7) तुलसी की भक्ति भावना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।



- 7) अमीर खुसरो की मूल भाषा कौन सी थी?
- अ) उर्दू                                      ब) फारसी
- स) संस्कृत                                  द) पाली
- 8) कदली - सीप - भुजंग - मुख, स्वाति एक गुन तीन। किसकी रचना है?
- अ) रहीम                                    ब) अमीर खुसरो
- स) ज्ञानेश्वर                                द) तुलसी
- 9) नई कविता के हस्ताक्षर किसे कहा गया है?
- अ) चंदबरदाई                              ब) दुष्यंतकुमार
- स) अमीर खुसरो                          द) जायसी
- 10) 'राम दरसन दीजै' किसकी रचना है?
- अ) तुलसी                                    ब) जायसी
- स) रैदास                                     द) रहिम